कौन बनेगा
वायुरक्षक ?
sard
Wingify
EARTH

प्रस्तावना

हमें पर्यावरण को वायु प्रदूषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूर्ण रूप से सफ़ल बनाने के लिए अपने उत्तरदायित्व एवं भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। इसी मुहिम के अंतर्गत **'सार्ड' (SARD) सोसाइटी फॉर आल राउंड डेवलपमेंट** गैर सरकारी संस्था एवं **विंगिफाई फाउंडेशन (Wingify Foundation)** द्वारा उठाए सकारात्मक कदम की सराहना करते हैं। इनके सहयोग से हमारे दिल्ली नगर निगम विद्यालयों के बच्चे **'वायुरक्षक'** कहानी पुस्तक एवं खेलों के माध्यम से वायु प्रदूषण के प्रति जागरूक होंगे और समाज में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा पाएँगे।

जैसा की हम सभी जानते हैं कि वायु जीवन का एक आवश्यक तत्व है। प्राणी वायुमण्डल से ऑक्सीजन ग्रहण करते हैं और कार्बन–डाई–ऑक्साइड निष्कासित करते हैं, जिसे पौधे ग्रहण कर लेते हैं और इस तरह एक संतुलित चक्र चलता रहता है। किंतु इस संतुलन में उस समय रूकावट आ जाती है जब उद्योगों, वाहनों एवं अन्य घरेलू उपयोगों से निकलता धुआँ एवं अन्य सूक्ष्म कण, विभिन्न प्रकार के रसायनों से उत्पन्न विषैली गैस, धूल के कण, आदि वायु में प्रवेश करके, मानव के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं अपितु समस्त जीव–जगत के लिए हानिकारक बन जाते हैं।

हमें वायु प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए पेड़ों को नहीं काटना चाहिए, सार्वजनिक परिवाहन का प्रयोग करना चाहिए और अन्य उन गतिविधियों को करना चाहिए जो वातावरण को प्रदूषित करने वाले तत्वों को रोकने में सहायक हों।

इस दिशा में बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से किया जा रहा यह प्रयास, निश्चित रूप से सार्थक होगा।

आइए हम सब मिलकर पर्यावरण को वायु प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लें तथा अपनी सार्थक भागीदारी सुनिश्चित करें।

'आइए हम सब मिलकर करें प्रयास
बढ़ते प्रदूषण को रोकें आज'

शुभकामनाओं सहित,

विकास त्रिपाठी

श्री विकास त्रिपाठी
आई आर एस ईई, निदेशक शिक्षा, दिल्ली नगर निगम

प्राक्कथन

स्वच्छ और ताज़ी हवा में साँस लेने का अधिकार स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार के महत्वपूर्ण घटकों में से एक है। वायु प्रदूषण सभी जीवित प्राणियों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार को नकारात्मक रूप से प्रभावित करता है, जिसमें मनुष्य, पौधे और जानवर, विशेष रूप से बच्चे, दुनिया के भविष्य के रूप में शामिल हैं।

वायु प्रदूषण एक गंभीर मानव निर्मित समस्या है जिसे हल करने की शक्ति हम सभी के पास है। हम सभी को जिम्मेदारी लेने, सक्रिय रूप से कारणों का पता लगाने और उपचारात्मक कदम उठाने की ज़रूरत है।

इन अवलोकनों को ध्यान में रखते हुए, **'विंगिफाई फाउंडेशन'** की एक **सी एस आर** पहल, **विंगिफाई अर्थ** और **'सार्ड' (सोसाइटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट)** ने दिल्ली नगर निगम के शिक्षकों के साथ मिलकर प्राइमरी स्कूलों के लिए कहानी की एक किताब तैयार की है, **'वायुरक्षक'**।

इसका उद्देश्य बच्चों को प्रदूषण मुक्त वातावरण के बारे में जागरूक करना और वायु प्रदूषण के कारण होने वाले नुकसानों को समझने में मदद करना है। इस समस्या को हल करने के लिए जो कदम उठाए जा सकते हैं, उसके लिए उन्हें सशक्त बनाना है।

'वायुरक्षक' कहानी, बच्चों को वायु प्रदूषण के महत्वपूर्ण कारणों को प्रदर्शित करने के लिए एक शैक्षिक यात्रा पर ले जाती है और आगे उन सरल कदमों की पहचान कराती है जो प्रत्येक व्यक्ति को यह सुनिश्चित करने के लिए करना चाहिए कि हर कोई स्वच्छ हवा में साँस ले पाए।

'वायुरक्षक' बच्चों की खोज की एक एक्शन से भरपूर यात्रा है जो वास्तविक नायकों को उजागर करती है। हमें विश्वास है कि बच्चे बड़े होने के दौरान यह सुनिश्चित कर पाएँगे और स्वच्छ हवा में साँस लेने के अपने अधिकार के लिए लड़ेंगे।

हमें पूरी उम्मीद है की **'वायुरक्षक'** सभी को प्रभावित करने वाले इस गंभीर मुद्दे पर बच्चों और वयस्कों के बीच महत्वपूर्ण चर्चा को प्रोत्साहित करेगा।

आइए हम सभी अपने पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने में सक्रिय रूप से भाग लेने का संकल्प लें।

स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें . . . .

सुधीर भटनागर
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सार्ड (सोसाइटी फॉर ऑल राउंड डेवलपमेंट)

अनिल चोपड़ा
ट्रस्टी
विंगिफाई फाउंडेशन

कौन बनेगा
वायुरक्षक ?

कविता और गुरमीत पार्क में घूम रहे थे, तभी उन्हें बैंच पर बैठी नगमा नज़र आई। वे सभी पाँचवीं कक्षा में पढ़ते थे। उस दिन नगमा बहुत कमज़ोर एवं बीमार लग रही थी। वे दोनों उसके पास गए और कमज़ोर होने का कारण पूछा।

नगमा – मैं बीमार थी। मेरे सीने में बहुत दर्द रहता था और साँस लेने में भी परेशानी होने लगी थी। डॉक्टर अंकल ने बताया कि मुझे यह सब वायु प्रदूषण के कारण हुआ है।

गुरमीत – वायु प्रदूषण... यह वायु प्रदूषण क्या होता है?

तभी बच्चों को एक आवाज़ सुनाई दी–
मैं बताता हूँ, वायु प्रदूषण क्या होता है?

तीनों इधर–उधर देखने लगे।
मैं यहाँ हूँ, ठीक तुम्हारे ऊपर
तीनों बच्चों ने ऊपर देखते हुए पूछा– तुम कौन हो?
(हवा में इधर–उधर चक्कर लगाते हुए) **मैं हूँ वायुरक्षक**

वायुरक्षक! तीनों बच्चों ने एक साथ कहा।

हाँ, वायुरक्षक

(वायुरक्षक हवा में उछल–कूद करते हुए बोला)

बच्चो! आप सब जिस हवा में साँस ले रहे हैं,
वह कई कारणों से प्रदूषित हो जाती है।
हवा जब प्रदूषित हो जाती है तो उसे ही वायु
प्रदूषण कहते हैं और मैं इसे प्रदूषित होने से
बचाता हूँ, इसलिए मैं हूँ 'वायुरक्षक'।

कविता – परन्तु हवा प्रदूषित कैसे होती है?

वायुरक्षक – इस धरती पर रहने वाले लोग ही विभिन्न
कारणों से वायु को प्रदूषित कर रहे हैं।

आओ मेरे साथ, मैं तुम्हें दिखाता हूँ
कि लोग वायु को कैसे प्रदूषित कर रहे हैं।

तभी वायुरक्षक बच्चों को पास की एक सड़क के चौराहे पर लेकर गया और सड़क पर खड़ी गाड़ियों की ओर इशारा करते हुए कहा– देखो! ये पेट्रोल और डीज़ल से चलने वाली गाड़ियाँ हवा में कितना धुआँ छोड़ रही हैं।

गुरमीत – शायद, इनसे निकलने वाले हानिकारक धुएँ के कारण ही नगमा बीमार हुई होगी।

वायुरक्षक – अब देखो, ट्रैफिक सिग्नल पर लाल बत्ती है और गाड़ियाँ रुकी हुई हैं परंतु फिर भी उनका इंजन चालू है।

आओ, गाड़ियों का इंजन बंद करवाते हैं।

वायुरक्षक और बच्चों ने गाड़ी चलाने वालों के पास जाकर उन्हें समझाया तो उन्होंने अपने वाहनों के इंजन बंद कर दिए।

वायुरक्षक ने कहा – अब देखो! गाड़ियों से धुआँ निकलना बंद हो गया है। इस प्रकार ट्रैफिक सिग्नल के लाल हो जाने पर यदि सभी अपनी गाड़ियों का इंजन बंद कर दें तो हवा को प्रदूषित होने से बचाया जा सकता है।

तभी गुरमीत एक गाड़ी की तरफ़ संकेत करते हुए बोला, अरे! उस गाड़ी का इंजन तो चालू है पर फिर भी धुआँ नहीं निकल रहा।

वायुरक्षक – ओ ! वह... वह तो इलेक्ट्रिक वाहन है यानि बिजली से चलने वाली गाड़ी, इससे प्रदूषण नहीं होता। अब हमें ऐसे ही वाहनों का प्रयोग करना चाहिए, ताकि हमारा काम सरल हो जाए।

अभी वे कुछ कदम आगे बढ़े ही थे कि अचानक रेत और धूल उड़कर आने लगी। बच्चों ने उस जगह की ओर देखा जहाँ से धूल आ रही थी।
तभी वायुरक्षक बोल उठा–

वायुरक्षक – बिल्डिंग/भवन निर्माण के कार्यों के कारण उड़ने वाली रेत और धूल भी बहुत वायु प्रदूषण करती है। यदि यहाँ रेत पर थोड़ा पानी छिड़क दिया जाए और निर्माणाधीन बिल्डिंग आदि को चारों तरफ़ से ढक दिया जाए तो यह धूल हवा को कम प्रदूषित करेगी।

नगमा ने दुखी होकर कहा – मतलब! सब जगह वायु प्रदूषित है, फिर तो हमें हमेशा घर के अंदर ही रहना चाहिए।

वायुरक्षक ने थोड़ा मुस्कुराते हुए कहा – ठीक है, चलो! घर ही चलते हैं। जब वे अपनी गली में पहुँचे तो वहाँ उन्हें कूड़ा जलता हुआ दिखाई दिया, जिसका धुआँ उनके और आस–पास के घरों में भी जा रहा था।

वायुरक्षक – यह देखो, आपके घर की हवा भी शुद्ध नहीं है। यह धुआँ घर की हवा को भी प्रदूषित कर रहा है।

कविता – तो क्या, घर में बीड़ी–सिगरेट पीने से भी वायु प्रदूषण होता होगा?

गुरमीत– ज़रूर होता होगा! उससे भी तो धुआँ निकलता है।

वायुरक्षक – इसके अलावा बच्चो घर में कोयले, उपले, लकड़ी आदि को चूल्हे या अंगीठी में जलाने से भी घर में प्रदूषण होता है। हमें घरेलू एल.पी.जी. गैस जैसे स्वच्छ ईंधन का उपयोग करना चाहिए।

नगमा – अरे! घर में भी हवा साफ़ नहीं है?

वायुरक्षक – रहेगी कैसे? आजकल लोग पेड़ भी तो काटते जा रहे हैं और जिस कारण पेड़ बहुत कम हो गए हैं। जबकि पेड़ तो प्रदूषित हवा को साफ़ करते हैं।

कुछ रुकते हुए वायुरक्षक ने कहा – “अब तुम्हीं बताओ! मेरी तरह वायुरक्षक बनकर कौन वायु को स्वच्छ बनाने में मेरी मदद करेगा?”

तभी बच्चों ने मिलकर जलते हुए कूड़े को पानी डालकर बुझा दिया और ...

ज़ोर से बोले – आज से हम भी हैं
"वायुरक्षक" और अब हम कदम से कदम
मिलाएँगे, वायु को स्वच्छ बनाएँगे।
बच्चो! क्या तुम भी बनोगे वायुरक्षक ?

वायुरक्षक

लेखन सदस्य

डॉ. नरेश कुमार	–	असिस्टेंट प्रोफेसर, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दक्षिण–पश्चिम, घुम्मनहेड़ा, नई दिल्ली
डॉ. प्रवीन कुलश्रेष्ठ	–	असिस्टेंट प्रोफेसर, मंडलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दक्षिण–पश्चिम, घुम्मनहेड़ा, नई दिल्ली
श्री मुरली लाल	–	शिक्षक, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय, वजीरपुर, दिल्ली
सुश्री ललिता	–	शिक्षिका, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय, आर ब्लाक, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली
श्री मुकेश	–	शिक्षक, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय, शाहबाद, दिल्ली
श्री अश्विनी कुमार	–	शिक्षक, नगर निगम प्राथमिक विद्यालय, ज्वालापुरी कैम्प 5–II, नई दिल्ली
सुश्री पवन गुलेरिया	–	विषय विशेषज्ञ, सार्ड (सोसायटी फॉर ऑल राउंड डेवेलपमेंट), नई दिल्ली

ग्राफिक डिजाइनर

अनुपमा खत्री

मुद्रक

शोको

सेसायटी फॉर ऑल राउंड डेवेलपमेंट

311, कीर्तिदीप बिल्डिंग, नांगल राया
कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110046
फ़ोन : +91–11–28524728
वेबसाइट : sardindia.org.in

विंगिफाई फाउंडेशन

ई–170, अंतरिक्ष अपार्टमेंटस, सेक्टर–14
एक्सटेंशन रोहिणी, दिल्ली–110085
फ़ोन : 011 4764 0497
ईमेल : reachout@wingifyfoundation.org
वेबसाइट : wingifyfoundation.org

आओ करें संकल्प
हम ये संकल्प लेते हैं, कि हम ऐसा कोई भी काम नहीं करेंगे जिससे वायु प्रदूषित हो। हम ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाने, सार्वनाजिक वाहनों का प्रयोग करने, कचरा ना जलाने के लिए प्रतिबद्ध होंगे । हम स्वयं इसे अपनाएँगे और दूसरों को भी वायु को प्रदूषण मुक्त रखने के लिए प्रेरित करेंगे । हमें विश्वास है कि हमारे ये प्रयास वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने में कारगर साबित होंगे ।
Air pollution videos QR code